वाणिज्य में स्नातक (जनरल)
बी. कॉम (जी.)

चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली

बी. सी. ओ. सी. -131: वित्तीय लेखाकरण

सत्रीय कार्य
2025–26

जाँच सत्रीय कार्य की अवधि - 1st जुलाई 2025 से 30th जून 2026

प्रथम सत्र

इग्नू जन-जन का विश्वविद्यालय

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली –1100 68

वाणिज्य में स्नातक जनरल (बी. कॉम. जी.)

चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली

बी. सी. ओ. सी. -131: वित्तीय लेखाकरण

सत्रीय कार्य 2025–26

प्रिय छात्र / छात्राओं,

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में स्पष्ट किया गया है, इस सत्रीय कार्य को तीन खंडों में विभाजित किया गया है । तीनों खंड अनिवार्य हैं।

अंतिम परीक्षा में सत्रीय कार्य के लिए 30% अंक निर्धारित हैं। सत्रांत परीक्षा में बैठने योग्य होने के लिए यह आवश्यक है कि समय सूची के अनुसार आप इस सत्रीय कार्य को पूरा करके भेज दें। सत्रीय कार्य को करने से पहले आपको चाहिए कि कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें, जिसे आपके पास अलग से भेजा गया है।

1. वे छात्र जो दिसम्बर 2025 की सत्रांत परीक्षा में उपस्थित हो रहे हैं। वे 15 अक्टूबर 2025 तक जमा करवायें।
2. वे छात्र जो जून 2026 के सत्रांत परीक्षा में उपस्थित हो रहे हैं, उन्हें 15 मार्च 2026 तक जमा करवाना होगा।

आपको सभी पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य को अपने अध्ययन केंद्र के समन्वयक को प्रस्तुत करना होगा।

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**बी. सी. ओ. सी. -131**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**वित्तीय लेखाकरण**
सत्रीय कार्य का कोड	**:**	**बी.सी.ओ.सी.-131/टी. एम. ए./2025-26**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – क (सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक के हैं)

1. उन मदों के नाम बताइए जिनका लेखा प्रे षण खाते में बीजक मूल्य पर दर्ज किया जाता है। प्रत्येक मद के संबंध में भार के समायोजन के लिए की जाने वाली प्रविष्टियो का उल्लेख कीजिए| (10)

2. भिन्न भिन्न प्रकार की ऐसी अशुद्धियों का वर्णन कीजिए जो लेन देन की प्रविष्टि करते समय सामान्यतः पाई जाती है। उदहारण देकर स्पष्ट कीजिए। (10)

3. लेखा वर्ष के अंत में ब्रांच शेषों का मुख्य कार्यालय की पुस्तकों में किस प्रकार समावेशन किया जाता है? (10)

4. लेखाकरण की संकल्पना से आप क्या समझते है ? रिकॉर्ड सत्तर पर ध्यान देने योग्य लेखाकरण की संकल्पनाओं का संक्षिप्त परिचय दीजिए | (10)

5. मूल्यह्रास की आवश्यकता तथा महत्व को स्पष्ट कीजिए। मूल्यह्रास की राशि के निर्धारण में कौन-कौन से तत्व ध्यान में रखने चाहिए | (10)

खण्ड – ख (सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 6 अंक के हैं)

6. लेजर और समूह (ग्रुप) को परिभाषित कीजिए। लेजर, समूह से किस प्रकार भिन्न है? (6)

7. लेन-देन रिकॉर्ड करते समय आमतौर पर कौन-कौन सी विभिन्न प्रकार की त्रुटियाँ होती हैं? उदाहरणों सहित समझाइए। (6)

8. अवक्रय व्यापार में प्रयोग की जाने वाली स्टॉक और देनदार विधि के अंतर्गत विभिन्न खाते खोलने के लिये की जाने वाली जर्नल प्रविष्टियाँ बनाइये | (6)

9. लेखाकरण की गुणात्मक विशेषताएँ क्या हैं? संक्षिप्त में विवेचना कीजिए। (6)

10. पृथक लेखा पुस्तके रखे बिना संयुक्त उपक्रम व्यापार के लेन देनों का रिकॉर्ड करने की विभिन्न विधियों की संक्षेप में चर्चा कीजिए | (6)

खण्ड – ग (सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक के हैं)

11. एक लेखांकन सॉफ्टवेयर का चयन करते समय किन घटको को ध्यान में रखना चाहिए ? (10)

12. निम्नलिखित पर संक्षिप्त नोट्स लिखें: (5x2 = 10)

क) भार (लोडिंग)

ख) संयुक्त उपक्रम

ग) डेबिट नोट

घ) सामान्य हानि

ड.) अवक्रय लेखा